

श्री शनिदेव आरती in Hindi

जय शनि देवा, जय शनि देवा,
जय जय जय शनि देवा ।
अखिल सृष्टि में कोटि-कोटि जन,
करें तुम्हारी सेवा ।
जय शनि देवा, जय शनि देवा,
जय जय जय शनि देवा ॥
जा पर कुपित होउ तुम स्वामी,
घोर कष्ट वह पावे ।
धन वैभव और मान-कीर्ति,
सब पलभर में मिट जावे ।
राजा नल को लगी शनि दशा,
राजपाट हर लेवा ।
जय शनि देवा, जय शनि देवा,
जय जय जय शनि देवा ॥

जा पर प्रसन्न होउ तुम स्वामी,
सकल सिद्धि वह पावे ।
तुम्हारी कृपा रहे तो,
उसको जग में कौन सतावे ।
ताँबा, तेल और तिल से जो,
करें भक्तजन सेवा ।
जय शनि देवा, जय शनि देवा,
जय जय जय शनि देवा ॥

हर शनिवार तुम्हारी,
जय-जय कार जगत में होवे ।
कलियुग में शनिदेव महात्तम,
दुःख दरिद्रता धोवे ।
करू आरती भक्ति भाव से,
भेंट चढ़ाऊं मेवा ।
जय शनि देवा, जय शनि देवा,
जय जय जय शनि देवा ॥

॥ श्री शनि देव आरती-2 ॥
चार भुजा तहि छाजै,
गदा हस्त प्यारी ।
जय शनिदेव जी ॥

रवि नन्दन गज वन्दन,
यम अग्रज देवा ।
कष्ट न सो नर पाते,
करते तब सेवा ॥
जय शनिदेव जी ॥

तेज अपार तुम्हारा,
स्वामी सहा नहीं जावे ।
तुम से विमुख जगत में,
सुख नहीं पावे ॥
जय शनिदेव जी ॥

नमो नमः रविनन्दन,
सब ग्रह सिरताजा ।
बन्शीधर यश गावे,
रखियो प्रभु लाजा ॥
जय शनिदेव जी ॥

Aarti Shri Shani Dev in English

Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva.

Akhil srishti mein koti-koti jan,
Karen tumhari seva.

Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva.

Jaa par kupit hou tum swami,
Ghor kasht vah paave.

Dhan vaibhav aur maan-kirti,
Sab pal bhar mein mit jaave.

Raja Nal ko lagi Shani dasha,
Rajpaat har leva.

Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva.

Jaa par prasanna hou tum swami,
Sakal siddhi vah paave.

Tumhari kripa rahe to,
Usko jag mein kaun satave.

Tamba, tel aur til se jo,
Karen bhaktajan seva.

Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva.

Har shanivaar tumhari,
Jai-jai kaar jagat mein hove.
Kaliyug mein Shani Dev mahatam,
Dukh daridrata dhove.

Karu aarti bhakti bhaav se,
Bhet chadhaun mewa.

Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva.

॥ Shri Shani Dev Aarti-2 ॥
Chaar bhuja tahi chhajai,
Gada hast pyari.
Jai Shanidev Ji.

Ravi Nandan gaj vandan,
Yam agraj deva.
Kasht na so nar paate,
Karte tab seva.
Jai Shanidev Ji.

Tej apaar tumhara,
Swami saha nahi jaave.
Tum se vimukh jagat mein,
Sukh nahi paave.
Jai Shanidev Ji.

Namo namah Ravinandan,
Sab grah sirtaaja.
Banshidhar yash gaave,
Rakhiya Prabhu laaja.
Jai Shanidev Ji.